एक दिवसीय सेमिनार

दिनांक 1 दिसंबर 2023 को हिंदू कन्या महाविद्यालय जींद के यूथ रेड क्रॉस सेल व एन. एस. एस. ईकाई के संयुक्त तत्वावधान में विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉक्टर पूनम मोर के द्वारा की गई। एक दिवसीय सेमिनार में संयोजिका की भूमिका डॉक्टर सुषमा गर्ग व श्रीमती आरती सैनी के द्वारा निभाई गई। सेमिनार के मुख्य विषय महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता अभियान रहा। सेमिनार में मुख्य व प्रमुख वक्ता के तौर पर भिवानी से महिला एवं पुरुष चिकित्सकों की टीम में श्रीमान प्रवीण मलिक, श्रीमती सीमा रानी व श्रीमती सोनू जांगड़ा ने शिरकत की। सेमिनार के प्रथम सत्र की शुरुआत श्रीमती सोनू जांगड़ा ने एड्स नामक भयानक बीमारी से बचने के उपाय व तरीके बताते हुए बीमारी क्यों पैदा होती है? इन कारणों पर भी प्रकाश डाला। सेमिनार के दूसरे स्तर में श्रीमती सीमा रानी ने छात्राएं, महिलाएं किस प्रकार से अपने स्वास्थ्य को ठीक रख सकती है। जिसमें कि सेनेटरी नेपकिन जो कि हर बालिका व महिला की जरूरत है अच्छी क्वालिटी व इंफेक्शन से बचाने वाले नैपकिन की महिलाओं व बालिकाओं को पी. सी. ओ. डी. यूटसस कैंसर, यूरिन इन्फेक्शन बीमारियों से कैसे बचाया जा सकता है ।व्यावहारिक तौर पर एक प्रोजेक्ट के द्वारा करके छात्राओं को दिखाया व समझाया। सेमिनार के तीसरे स्तर में श्रीमान प्रवीण मलिक जी ने भी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी छात्राओं को दी कि खान-पान शारीरिक सफाई जैसे तारीकों को अपनाकर बहुत सारी खतरनाक बीमारियों से बचा जा सकता है। इस सेमिनार में महाविद्यालय की लगभग 125 छात्राओं ने भाग लिया। सेमिनार के समापन समारोह में श्रीमती आरती सैनी द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता टीम का धन्यवाद ज्ञापन किया गया व प्राचार्य डॉ. पूनम मोर ने टीम का आभार अभिव्यक्त के साथ सेमिनार के सफल समापन पर संयोजिका टीम को बधाई दी। इस अवसर पर श्रीमती नितिका, श्रीमती आरती गर्ग मैडम भी मौजूद रही।

Glimpses of the Event

जींद केसरी

मंगलवार TUESDAY, 5 दिसम्बर 2023

विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में एक दिवसीय सैमीनार का आयोजन

जींद, 4 दिसम्बर (मित्तल): हिंदू कन्या महाविद्यालय जींद के यूथ रैडक्रॉस सैल व एन.एस.एस. इकाई के संयुक्त तत्वावधान में विश्व एड्स दिवस वर्ल्ड एड्स डे के उपलक्ष्य में एक दिवसीय सैमीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. पूनम मोर द्वारा की गई। एक दिवसीय सैमीनार में संयोजिका की भूमिका डॉ. सुषमा गर्ग व आरती सैनी द्वारा निभाई गई। सैमीनार के मुख्य विषय महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता अभियान रहा।

सैमीनार में जानकारी देती हुई डॉ. सुषमा गर्ग। (मित्तल)

सैमीनार में मुख्य वक्ता के तौर पर भिवानी से महिला एवं पुरुष चिकित्सकों की टीम में प्रवीण मलिक, सीमा रानी व सोनू जांगड़ा ने शिरकत की। सैमीनार के प्रथम सत्र की शुरूआत सोनू जांगड़ा ने एड्स नामक भयानक बीमारी से बचने के उपाय व तरीके बताते हुए बीमारी क्यों पैदा होती है? इन कारणों पर भी प्रकाश डाला। सैमीनार के दूसरे सत्र में श्रीमती सीमा रानी ने छात्राएं, महिलाएं किस प्रकार से अपने स्वास्थ्य को ठीक रख सकती हैं।

सैमीनार के तीसरे सत्र में प्रवीण मलिक ने भी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी छात्राओं को दी। सैमीनार में महाविद्यालय की लगभग 125 छात्राओं ने भाग लिया। सैमीनार के समापन समारोह में आरती सैनी द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता टीम का धन्यवाद किया गया। इस अवसर पर निकिता, आरती गर्ग मैडम भी मौजूद रहीं।